"किशोर बालिका गृह की उपेक्षित बालिकाओं का वैयक्तिक अध्ययन"

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में
स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की आंशिक
सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध

वर्ष 2005-06

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

निर्देशक

डॉ. खेमराज शर्मा
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, भोपाल

शोधकर्ता

श्रीमती सीमा पाठक
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान,
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2005:2006

"किशोर बालिका गृह की उपेक्षित बालिकाओं का वैयक्तिक अध्ययन"

D – 228

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की शिक्षा में
स्नातकोत्तर एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की आंशिक
सम्पूर्ति हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध

वर्ष 2005-06

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

निर्देशक

डॉ. खेमराज शर्मा
प्रवाचक
शिक्षा विभाग, भोपाल

शोधकर्ता

श्रीमती सीमा पाठक
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
छात्रा
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान,
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्रीमती सीमा पाठक**, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) की नियमित छात्रा है। इन्होने बरकउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल में स्नात्कोत्तर उपाधि हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"किशोर बालिका गृह की उपेक्षित बालिकाओं का वैयक्तिक अध्ययन "** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह शोध कार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध-प्रबंध बरकतल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् 2005-2006 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 5/05/06

(डॉ. खेमराज शर्मा)
प्रवाचक,शिक्षा विभाग
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (मध्यप्रदेश)

आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध "किशोर बालिका गृह की उपेक्षित बालिकाओं का वैयक्तिक अध्ययन " की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय मार्गदर्शन श्रद्धेय डॉ. खेमराज शर्मा, प्रवाचक शिक्षा विभाग क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को हैं, जिन्होने अपने व्यस्त दिनचर्या में समय निकालकर उचित निर्देशन प्रदान कर उत्साहवर्धन किया। आपके आत्मीय व्यवहार एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व ने हमेश मनोबल में वृद्धि की। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सत्यपूर्ण सहयोग एवं अभिभावकीय मार्गदर्शन अविस्मणीय रहेगा।

मैं माननीय डां. एम.सेन गुप्ता, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, डॉ. वी.जी.जाधव, अधिष्ठाता, डॉ. एस.के.गुप्ता, विभागाध्यक्ष, तथा डॉ. के.आर.शर्मा तथा डॉ. के.के.खरे एम.एड. प्रभारी के स्नेहपूर्ण सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु ह्रदय से आभारी हूँ, जिन्होने समय–समय पर उचित निर्देशन एवं प्रोत्साहन देकर इस शोध कार्य को पूर्ण करने में अमूल्य एवं अविस्मरणीय सहयोग प्रदान किया।

मैं डॉ. सुनीति खरे की भी ह्रदय से आभारी हूं जिन्होने मनोवैज्ञानिक परीक्षण के कार्य में मुझे उचित निर्देशन प्रदान किया।

मैं पुस्तकालयाध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी तथा सहयोगियों का हृदय से धन्यवाद देना चाहूंगी, जिनके सामयिक सहयोग से शोध कार्य सम्पन्न हो सका है।

मैं किशोर बालिका गृह "की अधीक्षक श्रीमती माया त्रिपाठी एवं परिवीक्षा अधिकारी श्रीमती अंतोनिया इक्का मैडम तथा श्री महेश दुबे सर की हृदय से कृतज्ञ हूं, जिन्होंने उपेक्षित बालिकाओं के वैयक्तिक अध्ययन हेतु अनुमति प्रदान कर शोध कार्य को सम्पन्न करते समय महत्वपूर्ण योगदान प्रदान किया।

मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों एवं पति श्री जितेन्द्र पाठक की सदैव ऋणी रहूँगी जिन्होंने शोधकार्य पूर्ण करने में धैर्यपूर्वक, प्रेरणा स्त्रोत एवं सुविधादाता की भूमिका निभाई। साथ ही अपनी प्यारी बिटिया खुशी के भी सहयोग के लिए भी धन्यवाद देती हूं जिसने अपनी मुस्कुराहट द्वारा सदा मुझे प्रेरणा प्रदान की।

मैं अपनी कक्षा के सभी सहपाठियों को भी हृदय से धन्यवाद देती हूं।

मैं उपेक्षित बालिकाओं के माता–पिता एवं उनके अन्य परिवारजनों की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने उचित एवं वांछनीय जानकारी प्रदान कर शोध कार्य को पूर्ण करने में सहयोग किया।

अंत मैं उन सभी महानुभावों का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शोध प्रबंध को पूर्ण करने में सहयोग प्रदान किया।

5/4/06

श्रीमती सीमा पाठक

एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	पेज नं.
	अध्याय प्रथम : शोध परिचय	
1.1	प्रस्तावना	01
1.2	अध्ययन की आवश्यकता	03
1.3	शोध कथन	05
1.4	अध्ययन के उद्देश्य	05
1.5	शोध प्रश्न	06
1.6	लघु शोध में प्रयुक्त तकनीकी शब्दों की क्रियात्मक परिभाषा	06
1.7	किशोर बालिका गृह में रह रही बालिकाओं के प्रकार	07
1.8	किशोर बालिका गृह एक सामान्य परिचय	08
1.9	लघु शोध का परिसीमन	09
2.0	शोध का महत्व	10
	अध्याय द्वितीय : संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
2.1	प्रस्तावना	12
2.2	संबंधित शोध/अध्ययन	13
	अध्याय तृतीय : शोध प्रविधि	
3.1	प्रस्तावना	16
3.2	प्रदत्त संकलन हेतु अपनाई गई प्रविधि : व्यैक्तिक अध्ययन विधि	16
3.2.1	व्यैक्तिक अध्ययन विधि की परिभाषायें	17
3.2.2	व्यैक्तिक अध्ययन विधि के उद्देश्य	17
3.2.3	व्यैक्तिक अध्ययन विधि के सोपान	18
3.2.4	व्यैक्तिक अध्ययन विधि की विशेषताएं	18
3.2.5	व्यैक्तिक अध्ययन विधि के गुण	19
3.2.6	व्यैक्तिक अध्ययन विधि की सीमायें	20
3.2.7	सूचना के स्त्रोत	21
3.3	प्रतिदर्श	23
3.3.1	व्यैक्तिक अध्ययन प्रविधि कें लिए अपनाए गए उपकरण	27
3.4	प्रशासन	

क्र.	विवरण	पेज नं.
	अध्याय चतुर्थ : व्यैक्तिक अध्ययन व्याख्या एवं विवेचना :	
4.1	व्यैक्तिक अध्ययन क्र. 01 से 15 तक	35
	अध्याय पंचम : शोध सार, निष्कर्ष एवं सुझाव	
5.1	शोध सार	92
5.2	निष्कर्ष	103
5.3	शैक्षिक सुझाव	106
	संदर्भ ग्रंथ	
	परिशिष्ट : व्यैक्तिक अध्ययन प्रपत्र	
	सारणी :	
	1) किशोर बालिका गृह की उपेक्षित बालिकाओं की सामान्य जानकारी	25
	2) बालिकाओं के उपेक्षित होने का प्रकार/कारण	26
	3) बुद्धि परीक्षण का परिणाम	32
	4) अभिरूचि परीक्षण का परिणाम	33
	5) समायोजन परीक्षण का परिणाम	34